

[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 7053 D Your Roll No.....

Unique Paper Code : 227403 अनुक्रमांक .....  
यूनिक पेपर कोड

Name of the Course : B.A. (Hons.) Economics बी. ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र

Name of the Paper : Economy, State and Society अर्थव्यवस्था, राज्य एवं समाज

Semester : IV

सेमेस्टर : चतुर्थ

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 75

### Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Question No. 1 is compulsory. Attempt any **three** of the remaining **six**.
3. The distribution of the marks is given with the question.
4. Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

### छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है और शेष छः में से किन्हीं तीन का उत्तर दीजिए।
3. समस्त प्रश्नों के अंक अंकित किये गये हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. 'History is not the development of ideas as Marx and Engels tell us, but rather the development of productive forces and the formation of ideas is explained by these underlying material changes.' Discuss.

इतिहास विचारों का विकास मात्र नहीं है जैसा कि मार्क्स तथा एंगल्स हमें बताते हैं, बल्कि उत्पादन शक्तियों के विकास एवं विचारों के गठन इन निहित भौतिक परिवर्तनों के द्वारा समझे जा सकते हैं। (15)

OR

अथवा

Briefly discuss the concept of economic nationalism. How did globalization lead to the erosion and reorientation of the concept of the nation-state? Discuss your answer with reference to any two tendencies.

आर्थिक राष्ट्रवाद की अवधारणा का संक्षेप में वर्णन कीजिए। वैश्वीकरण ने किस प्रकार राष्ट्र-राज्य की अवधारणा का हास तथा पुनर्भिविन्यास किया है? किन्हीं दो प्रवृत्तियों को आधार मानकर अपने उत्तर की समीक्षा कीजिए। (5,10)

2. How does Vamsi Vakulabharanam explain the recent financial crisis (2008) as qualitatively different from the profitability crisis of the late 1960s and 1970s in global capitalism? Do you agree that the strategies of accelerated appropriation and improved productivity in response to the profitability crisis were the triggers for the current financial crisis?

वामसी वाकुलाभरनम ने वैश्विक पूंजीवाद में हाल के वित्तीय संकट (2008) से सन् 1960 तथा 1970 के दशक के लाभ प्रदता संकट को गुणात्मक रूप में किस प्रकार भिन्न बताया है? क्या आप सहमत हैं कि लाभप्रदता संकट के लिए अपनाई गई त्वरित विनियोग तथा उत्पादकता में सुधार की रणनीति वर्तमान वित्तीय संकट के लिए कारण हैं? (10,10)

3. Discuss the importance of the M-C-M' circuit in the capitalist system. How does it capture the essence of the system, and also become its driving force ?

पूँजीवादी व्यवस्था में M-C-M' सर्किट के महत्त्व पर चर्चा कीजिए। यह किस प्रकार पूँजीवादी प्रणाली के सार को समझने में सहायक हैं और इस प्रणाली की संचालन शक्ति भी बन जाता है। (8,12)

4. What are the limitations of the government in maintaining a continuous state of full employment in a capitalist economy ?

एक पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में पूर्ण रोजगार की सतत अवस्था बनाएँ रखने में सरकार की सीमाएँ क्या होती हैं ? (20)

5. In a world of creative destruction how does Schumpeter defend monopolistic practices ?

रचनात्मक विनाश की दुनिया में शुम्पिटर किस प्रकार एकाधिकारी प्रथाओं को तर्कसंगत बताते हैं ? (20)

6. Discuss the concept of economic imperialism with special emphasis on Lenin's interpretation.

लेनिन की व्याख्या के विशेष संदर्भ में आर्थिक साम्राज्यवाद की अवधारणा पर चर्चा कीजिए। (20)

7. Write short notes on the following topics :

(a) Commodity fetishism

(b) The Ricardian and Marxian perspectives on the possibility of crises

निम्नलिखित विषयों पर संक्षिप्त नोट लिखिए :

(क) वस्तु वस्तुकामुकता

(ख) संकट की संभावना पर रिकार्डो एवं मार्क्स के परिप्रेक्ष्य

(10,10)